आमेर किला - भाग 2

Duration : 02.17 **Transcribed words :** 368

- संगीत -

विनोद कुमार शर्मा : ये वाला पार्ट आप देख रहे हैं, ये उनका अपना पब्लिक दीवान ए आम... ये दीवान ए आम दिल्ली और आगरा से बड़ा है... इसमें 48 पिलर हैं... 16 पिलर वाईट वाले हैं और 32 रैड हैं... राजा का यहाँ अपना मीटिंग होता था... पब्लिक को न्याय मिलता था... हिन्दू कला, मुगल कला और परशियन कला का अद्वित्तीय नमूना है, जिसमें सब आर्ट को मिक्स करके बनाया हुआ है... राजा जो थे, दीवान ए आम के लिये सामने सिंह पोल से अंदर प्रवेश करते थे और आम जो पब्लिक आती थी, सामने गैलरी से पब्लिक का प्रवेश होता था, पब्लिक मीटिंग के लिये.... उसके साथ में भी देखिये पानी का टैंक है... रानी जो थी, महारानी, ऊपर बैठकर के, विंडो से जलसे, फंग्शन, मीटिंग, प्रोग्राम देखती... पीछे काले परदे होते थे... ये एरिया 1622 में सवाई जयसिंह ने बनाया... सवाई का टाईटल औरंगजेब ने दिया... आप जो ये जगह देख रहे हैं...

यहाँ राजा के अपने 27 जागीरदार राजस्थान के डिस्ट्रिक्ट होते थे... राजस्थान के जागीरदारों की मीटिंग होती थी... मिनिस्टरों का लेखा जोखा यहाँ होता था... और नीचे दो आरकीटेक्ट हैं... एक का नाम है जिलाराम, जिस इंजीनियर ने इस पैलेस का निर्माण किया... दूसरा इंजीनियर जो है उसका नाम है मोहनलाल... लैक पैलेस, केसर क्यारी, मिनिस्टरों का माइन्ड कूल रहे, अच्छा रहे, इसके लिये सामने से, केसर क्यारी से हवा आती थी... उस जमाने में, चार सौ साल पहले कश्मीर से ला के इसमें केसर का उत्पादन किया गया... आप

लोग देखना चाहेंगे, यहाँ से देखिये, सामने से राजा की अपनी फोर्स ऊपर जाती थी... और ये जो झील आप देख रहे हैं इसका नाम है मावठा... मावठा बोलते हैं तो बारिश का, मावठ का पानी होता है, उसको मावठा बोलते हैं... उस जमाने में बारिश खूब होती थी, हरियाली खूब होती थी... ये सारा ग्रीनरी था... अपने तिल जो होता है, एक तिल है, इसमें डालेंगे तो वो नीचे तक नहीं गिरता था... और यहां से आप देखेंगे दिलाराम गार्डन... दिलाराम... दिल को आराम... ये दिलाराम गार्डन है... जिसने इस बिल्डिंग को, पैलेस को बना के कम्पलीट किया... वो वाला दिलाराम गार्डन है...

- संगीत -